जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 16 संख्याः 317 प्रभात हिण्डौन सिटी, शुक्रवार 20 सितम्बर, 2024 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

2019 के विधानसभा चुनाव में, हरियाणा में आप को नोटा से भी कम वोट मिले थे

तो फिर अब, विधानसभा चुनाव में ''आप'' हरियाणा की सभी सीटों पर उम्मीदवार क्यों खड़े कर रही है?

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। क्या यह मात्र संयोग ही है कि आप नेता अरविंद केजरीवाल को उनकी पार्टी के हरियाणा की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा के ठीक एक दिन बाद ही जमानत मिल गई?

वर्ष 2019 के चुनावों में भी आप ने 46 सीटों पर प्रत्याशी खड़े किए थे, पर, पार्टी का प्रदर्शन बहुत ही बुरा रहा। आप प्रत्याशियों को नोटा से भी कम वोट मिले। चुनाव आयोग के अनुसार उस चुनाव में आप को 0.48 प्रतिशत वोट मिले थे तो नोटा को 0.53 प्रतिशत वोट मिले थे।

इस वर्ष के लोकसभा चुनाव में आप ने कुरूक्षेत्र सीट से चुनाव लड़ा पर हार गई, इसलिए आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल द्वारा अप्रत्याशित रूप से हरियाणा पर जरूरत से ज्यादा जोर देने पर सवाल उठ रहे है। शुक्रवार को केजरीवाल जगधारी में अपनी पहली सार्वजनिक सभा करेंगे। फिर अगले कुछ दिनों में वे 11 जिलों में 13 सभाएं करेंगे। जिन जगहों पर उनकी सभा होगी उनमें प्रमुख है डबवाली, रानिया, भिवानी, मेहम, असंद, कालायत और बल्लभगढ़। आप सूत्रों ने कहा कि केजरीवाल की रैली का कार्यक्रम जल्द ही घोषित होगा

इसके अलावा गुड़गांव व पंजाब से सटे भागों में भी आप का प्रभाव है, इस प्रकार आप हरियाणा में तो नॉन प्लेयर ही है, इसलिए चर्चा है कि क्या आप से भाजपा का वोट काटेगी या कांग्रेस का? भाजपा की तरह आप भी शहरी पार्टी है। एक सोच यह है कि आप की मौजूदगी शहरी क्षेत्र में कांग्रेस का प्रसार रोक देगी।

हरियाणा में केजरीवाल के भाषणों से यह भी पता चलेगा कि अगले वर्ष दिल्ली चुनाव के लिए आप और कांग्रेस के गठबंधन की संभावनाएं नकारात्मक हैं या सकारात्मक!

केजरीवाल व मनीष सिसोदियाव संजय सिंह सहित 28 आप नेता जेल भेजे गए। इसके बाद भी आप यह धारणा नहीं हटा पा रही है कि यह भाजपा की बी टीम है इसलिए इस बात को लेकर भारी उत्सुकता है कि आने वाले दिनों में केजरीवाल कौन सा रास्ता चुनते हैं।

- भाजपा की भांति आप भी ''अरबन सैन्ट्रिक'' (शहर उन्मुख) पार्टी है। अतः आप पार्टी के उम्मीदवार, शहरी इलाकों में कांग्रेस को पैर पसारने का मौका नहीं देंगे।
- वैसे भी जनता में यह ही छवि है कि आप भाजपा की ''बी'' टीम है। इस ''थ्योरी'' (सोच) को इस बात से भी बल मिलता है कि क्या यह केवल एक संयोग है कि जिस दिन केजरीवाल ने घोषणा की कि उनकी पार्टी हरियाणा में सभी विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार खड़े करेगी, उसके अगले दिन ही उनको जमानत मिल गयी और वे जेल से रिहा कर दिये गये।

नड्डा ने कहा, राहुल ''फेल्ड प्रॉडक्ट''

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियता से हताश भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने उन्हें जनता द्वारा बार-बार ठुकराया हुआ ''फेल्ड प्रॉडक्ट'' बताया। एक उच्चस्तरीय सूत्र ने बताया कि जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के विधानसभा चुनावों से जो ग्राउण्ड रिपोर्ट्स मिली हैं उससे पता चता है कि जनता में कांग्रेस की स्वीकार्यता बढ़ रही है, लोग इस कांग्रेस का बेहतर विकल्प मान रहे हैं। इससे चिंतित होकर मोदी और शाह ने राहुल गांधी पर हर तरफ से हमला करने का निर्णय लिया है।

हाल ही में खड़गे ने मोदी को पत्र लिखा था, जिसमें भाजपा नेताओं द्वारा राहुल गांधी को हत्या की धमकी दिए जाने पर चिंता जताई गई थी, इस पत्र पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पत्र के जवाब में कहा कि राहुल गांधी फेल्ड प्रॉडक्ट हैं, जिन्हें खड़गे प्रमोट कर रहे हैं।

हरियाणा में भाजपा का चुनाव घोषणा पत्र जारी

भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने रोहतक में चुनाव घोषणा पत्र जारी करते हुए 2 लाख युवाओं को नौकरी देने की घोषणा की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने हरियाणा के विधानसभा चुनावों के लिये अपनी पार्टी का चुनाव घोषणा पत्र जारी कर दिया। इस घोषणा पत्र में किये गये कुछ वादे इस प्रकार हैं- महिलाओं को 2100 रु. मासिक देना, कॉलेज छात्राओं को स्कूटी देना, सरकारी तथा निजी अस्पतालों में निशुल्क डायलेसिस सुविधा प्रदान करना, सरकारी तथा निजी अस्पतालों में निशुल्क जाँच - सुविधा उपलब्ध कराना, 10 लाख रु. तक का निशुल्क इलाज सुनिश्चित करना तथा 70 वर्ष एवं इससे अधिक उम्र के लोगों को 5 लाख रु. के अतिरिक्त इलाज की सुनिश्चितता प्रदान करना।

नड्डा द्वारा रोहतक में जारी किये गये भाजपा के घोषणा पत्र में यह घोषणा भी की गई है कि 2 लाख युवाओं को मैरिट आधार पर सरकारी नौकरियाँ दी जायेंगी तथा 5 लाख युवाओं को उनके कौशल में वृद्धि सुगम बनाई जायेगी तथा उन्हें मासिक स्टाइपेंड दिया जायेगा।

नड्डा ने घोषणा की कि सत्ता में आने पर भाजपा 10 मॉडल औद्योगिक टाउनशिप सृजित करेगी तथा 50,000 युवाओं को नजदीकी क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध करायेगी। हरियाणा में 24 फसलों को मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एम.एस.पी.) मिलना जारी रहेगा तथा ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में बी.पी.एल. परिवारों के लिये 5 लाख मकान बनाये जायेंगे।

उन्होंने कहा कि बी.पी.एल. परिवारों की महिलाओं को 500 रु. में एल.पी.जी.सिलैंडर मिलते रहेंगे, जैसा कि कांग्रेस ने भी कहा है। हरियाणा सरकार अग्निवीरों को हरियाणा में गारंटीड नौकरी देगी।

नड्डा ने वादा किया कि दिल्ली से चंडीगढ़ तक सड़क यात्रा तथा रेल यात्राओं में सुधार किया जायेगा तथा ये दोनों सुविधाएं हरियाणा के विभिन्न जिलों से होकर गुजरेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि सभी 36 जातियों, खासतौर से पिछड़े वर्गों के अपने पृथक वैलफेयर बोर्ड होंगे तथा सरकार प्रत्येक बोर्ड को वित्तीय सहायता उपलब्ध करायेगी।

नड्डा ने कहा कि मेडिकल या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भाजपा के घोषणा पत्र में सभी महिलाओं को 2100 रूपए मासिक, कॉलेज छात्राओं को स्कूटी देने तथा दस लाख रूपए तक का इलाज निशुल्क कराने का वादा किया गया है।
- नड्डा ने कहा, सत्ता में आने पर भाजपा 10 मॉडल औद्योगिक टाउनशिप बनाएगी तथा बी.पी.एल. परिवारों के लिए 5 लाख मकान बनाएगी।

चीन अपने कर्मचारियों की रिटायरमैंट एज 5 वर्ष बढ़ायेगा?

इससे चीन ने पैन्शन का भुगतान आगे खिसका दिया, पर, युवाओं में बेरोज़गारी और बढ़ा दी

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। सेवानिवृत्ति आयु को पांच साल बढ़ाने के चीन के निर्णय के पीछे कारण है- देश की गिरती अर्थव्यवस्था तथा रिटायर होने वालों को दी जाने वाली पैंशन का भारी बोझ। पुरुषों के लिए सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़कर 63 वर्ष हो जाएगी तथा ऑफिसों में काम करने वाली महिलाओं के लिए 55 से 58 वर्ष। ये परिवर्तन 1 जनवरी, 2025 से लागू होंगे।

अधिकतम विकसित देशों में पुरानी रिटायरमैंट एज इनसे कम थीं। जापान में लोग 65 वर्ष की आयु में पैंशन ले सकते हैं, जबकि कोरिया में पैंशन पाने की आयु 63 वर्ष है।

सामाजिक वैज्ञानिक महसूस करते हैं कि इस नीति का प्रभाव युवाओं के रोजगार पर तथा बच्चे पैदा करने की उनकी इच्छा पर पड़ सकता है। वर्तमान में बहुत से लोग अपने सेवानिवृत्त माता-पिता द्वारा अपने बच्चों का पालन पोषण कराना पसंद करते हैं और सेवानिवृत्ति की उम्र बढ़ जाने पर इस व्यवस्था में बाधा आएगी।

लेकिन इस निर्णय को लेकर सोशल मीडिया पर जो पब्लिक डिबेट शुरू हुई है, उसमें कई लोगों ने इस नीति का विरोध किया है। एक लोकप्रिय तर्क यह दिया जा रहा है कि अब सभी पीढ़ियों के लिए चिंता का कोई कारण है : युवाओं को रोजगार नहीं मिलेगा क्योंकि बूढ़े रिटायर नहीं होंगे।

लेकिन, रिटायरमैंट एज बढ़ने का भारत पर क्या प्रभाव पड़ेगा? जैसे-जैसे चीन अपनी रिटायरमैंट एज बढ़ाएगा, वैसे-वैसे वो संभवतः अपनी लेबर फोर्स में अधिक अनुभवी कर्मचारियों को लंबे समय तक बनाए रखेगा। इससे उसकी कामकाजी उम्र की आबादी में कमी धीमी होगी, जिससे चीन लेबर इन्टैन्सिव सैक्टर (श्रम प्रधान क्षेत्रों) प्रतिस्पर्धी बना रहेगा। भारत, जिसके पास युवा वर्क फोर्स है और जो खुद को वैकल्पिक ''मैनुफैक्चरिंग हब'' के रूप में स्थापित कर रहा है, को वैश्विक नौकरियों और निवेशों में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा।

भारत अपनी युवा आबादी के कारण लाभ की स्थिति में है, जिसे अक्सर ''डैमोग्रैफिक डिविडैन्ड'' (जनसांख्यिकीय लाभांश) कहते हैं। जैसे-जैसे चीन की आबादी बूढ़ी होती है, भारत उन कंपनियों को आकर्षित कर सकता है, जिन्हें युवा व सस्ते श्रमिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भारत पर इसका तत्कालिक असर तो ठीक नहीं है, क्योंकि चीन छोड़कर जा रही विदेशी कम्पनियों का पलायन कुछ धीमा पड़ेगा।
- अन्ततोगत्वा इसका लाभ ही मिलेगा, भारत को, क्योंकि अनुभवी पुराने कर्मचारी का वेतन व अन्य सुविधाएं चीन के ''लेबर फोर्स'' को मंहगा कर देगा, भारत की युवा पीढ़ी के कर्मचारियों की तुलना में।

मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर संजय पांडे कांग्रेस में शामिल

मुंबई, 19 सितंबर। मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर संजय पांडे अब राजनीतिक पारी खेलेंगे। संजय पांडे ने गुरुवार को मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ की मौजूदगी में कांग्रेस का दामन थाम लिया। संजय पांडे ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि साल2004 से ही वे कांग्रेस में शामिल होना चाहते थे लेकिन सही वक़्त अब आया है।

संजय पांडे ने दावा किया कि इस बार प्रदेश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि जब महा विकास अघाड़ी सत्ता में आएगी तो आम आदमी को डरने की जरूरत नहीं होगी। उन्होंने महायुति (एनडीए) की आलोचना करते हुए कहा कि मैं कह सकता हूं कि मेरे खिलाफ कैसे झूठे मामले दर्ज किए गए थे।

संजय पांडे के कांग्रेस में शामिल होने पर कांग्रेस नेता असलम शेख़ ने कहा भाजपा को संजय पांडे के कांग्रेस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- संजय पांडे को अवैध फोन टैपिंग के मामले में ई.डी. ने जुलाई 22 में गिरफ्तार किया था तथा 5 महीने बाद वे उन्हें जमानत मिली थी।

हाय राम, तिरुपति लड्डू के साथ ये क्या किया

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने पूर्व मुख्यमंत्री पर तिरुपति लड्डू में जानवरों की चर्बी के इस्तेमाल का आरोप लगाया

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। श्रीबालाजी मंदिर द्वारा संचालित 'तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम' में प्रसाद के तौर पर बाँटा जाने वाला 'तिरुपति लड्डू' जिसे पाने की चाहत सभी को होती है, ने एक प्रचंड राजनैतिक बम का रुप ले लिया है, तथा इससे आन्ध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा क्षेत्रीय दल 'वाई.एस.आर.सी.पी. नेता वाई.एस. जगनमोहन रेड्डी के राजनैतिक कैरियर पर पूर्ण विराम लगने का खतरा पैदा हो गया है।

उन पर यह आरोप लगाया जा रहा है कि उन्होंने सुप्रसिद्ध तिरुपति लड्डू को बनाने में जानवरों की चर्बी (एनिमल फैट) के इस्तेमाल की अनुमति प्रदान कर दी थी, और पूर्व मुख्यमंत्री ने इस बात का जबरदस्त रुप से खंडन किया है। लेकिन विशेष बात यह है कि उनके खंडन के बाद, इस बात पर और ज्यादा व्यापक स्तर पर तथा सहज ही विश्वास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री के रुप में जगनमोहन रेड्डी के पूरे कार्यकाल में, उनकी एक बड़ी आलोचना इस बात को लेकर होती थी कि वे अनेकानेक प्रकार से राज्य में ईसाई धर्म को प्रोत्साहित करते रहे हैं तथा ईसाइयत का प्रचार-प्रसार करने के लिये, ''तिरुपति के पवित्रतम मंदिर तथा मंदिर नगरी का दुरुपयोग कर रहे हैं। और मंदिर के प्रशासन में गैर हिंदुओं को नियुक्त करते रहे हैं।

लेकिन आन्ध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चन्द्रबाबू नायडू ने यह स्तब्ध कर देने वाला रहस्योद्घाटन किया कि प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू, जिसे जी.आई. टैग मिला हुआ, को बनाने में जानवरों की चरबी काम में ली जा रही थी।

नायडू ने यह रहस्योद्घाटन बुधवार को पार्टी की एक मीटिंग में किया तथा तभी से तिरुपति लड्डू ने एक ऐसे राजनैतिक बम का रुप ले लिया, जो जगनमोहन रेड्डी के मुंह पर फट गया है। इस खबर से भौंचक्के रह गये पूर्व मुख्यमंत्री ने इसका खंडन किया है तथा झूठी और निराधार बात बताकर, इसे खारिज किया है।

मंदिर नगरी में प्रसादम, तिरुपति लड्डू को बनाने में सर्वोत्तम घी काम में लिया जाता है। इस लड्डू में एक विशिष्ट महक, स्वाद, लम्बे समय तक यथावत रहने की क्षमता तथा ऐसी अन्य गुणवत्ता होती है तथा इस सब विशिष्टताओं का कारण इनको बनाने में काम ली जा रही चीजों की गुणवत्ता ही होती है।

लेकिन जब नायडू ने यह दावा किया कि ''तिरुमला लड्डू भी घटिया चीजों से बनाया जाता था,....(इसके बनाने में) घी की जगह जानवरों की चर्बी काम में ली जाती थी, तो जबरदस्त हड़कम्प मच गया तथा तेलुगू देशम पार्टी और भाजपा इन आरोपों, जो स्तब्ध कर देने वाले हैं, के सिलसिले में मंदिर नगरी जा रहे हैं।

नायडू ने कहा, मंदिर को अपवित्र कर देने वाली ये स्तब्धकारी बातें सामने आने के बाद, विशेष पूजा के द्वारा पूरे मंदिर तथा परिसर को शुद्ध किया जायेगा। अत्यधिक महत्वपूर्ण वार्षिक ब्रह्मोत्सव का आयोजन करीब एक पखवाड़े के अन्दर 'महालय' पक्ष की समाप्ति के बाद शुरु होना है।

आन्ध्र प्रदेश का आम आदमी पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ लगाये गये इन आरोपों पर सहज ही विश्वास कर रहा है। तिरुपति से 630 किमी. दूर काकीनाडा कस्बे के रहने वाले एक व्यक्ति ने कहा, ''हम सच्चाई के बारे में नहीं जानते। लेकिन जिस तरीके से जगनमोहन रेड्डी ईसाइयत का पक्ष लेते थे तथा हिन्दू धर्म को नुकसान पहुँचा रहे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जिस तरह से जगन मोहन रेड्डी इसाईयत को प्रमोट करते रहे हैं उसे देखकर राज्य की हिंदू जनता चंद्रबाबू के आरोप को सही मान रही है।
- जनता का आरोप है कि जगनमोहन रेड्डी ने तिरुपति मंदिर प्रशासन में भी गैर हिंदुओं को नियुक्त किया था तथा कई प्रकार से तिरुपति मंदिर का दुरुपयोग किया था।
- ये आरोप जगन मोहन रेड्डी का राजनैतिक करियर भी खत्म कर सकते हैं, इसलिए हतप्रभ जगन मोहन रेड्डी ने इन आरोपों का जोरदार खंडन किया, पर जनता भरोसा नहीं कर रही है।

कोलकाता के जूनियर डॉक्टर्स की हड़ताल आज खत्म होगी

कोलकाता, 19 सितंबर। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में आर.जी. कर अस्पताल के जूनियर डॉक्टरों ने अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल खत्म कर दी है। डॉक्टरों ने ऐलान किया है कि वे लोग 41 दिन बाद शनिवार से काम पर लौटेंगे।

जानकारी के अनुसार, जूनियर डॉक्टर शुक्रवार को अपनी हड़ताल वापस लेंगे। वे लोग शनिवार को काम पर लौटेंगे। शनिवार से आपातकालीन सेवाएं फिर से शुरू होंगी लेकिन ओ.पी.डी.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सूत्रों ने बताया जूनियर डॉक्टर्स शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन से सी.बी.आई. दफ्तर तक जुलूस निकालेंगे और शनिवार के काम पर लौटेंगे।

'अमेरिका, रूस के संयम को कमज़ोरी समझने की भारी गल्ती कर रहा है'

डॉनल्ड ट्रम्प के पुत्र व जॉन एफ. कैनडी के भतीजे ने एक संयुक्त लेख लिखकर अमेरिका के प्रभावशाली ''एसटैबलिशमैंट'' (प्रशासनिक ढांचे) में भूकम्प पैदा कर दिया है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। यह एक तरह का विद्रोह है। अमेरिकन एस्टैब्लिशमैंट के कुछ महत्वपूर्ण सदस्यों ने प्रशासन को चेतावनी दी थी कि यूक्रेन संकट के मुद्दे पर अमेरिका का रूस के साथ परमाणु युद्ध होने का खतरा है जो कि देश हित में नहीं है।

उन्होंने सुझाव दिया की अमेरिका को रूस के साथ वार्ता कर यूक्रेन संकट खत्म करने पर विचार करे।

एक संयुक्त बाइलाइन आलेख में डॉनल्ड ट्रम्प जूनियर, जो कि डॉनल्ड ट्रम्प के पुत्र हैं और पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी, जिनकी हत्या हुई थी, के भतीजे रॉबर्ट एफ कैनेडी ने यह कहा कि मौजूदा प्रशासन रूस के संयम को कमज़ोरी समझने की भूल कर रहा था और इसके गंभीर नतीजे, जैसे परमाणु युद्ध, हो सकते थे।

उन्होंने कुछ ग्राफिक तुलनाओं का इस्तेमाल किया है। उन्होंने लिखा कि आप अगर किसी भालू से 5 बार छेड़खानी करते हैं और अगर उसने प्रतिक्रिया नहीं दी तो क्या यह मानकर कि वह प्रतिक्रिया नहीं देगा उसको छठीं बार भी परेशान किया जाना चाहिए। यह बहुत खतरनाक और विनाशकारी हो सकता है।

यह आलेख वॉशिंगटन के एक अबखार ''द हिल'' में छपा है, जो वॉशिंगटन में काफी लोकप्रिय है। मौजूदा प्रशासन पर हमला और युक्रेन संकट पर रूस की प्रतिक्रिया का गलत आंकलन देश के लिए विनाशकारी हो सकता है।

इस आलेख से अमेरिका के अभिजात्य वर्ग में खलबली मच गई है। कुछ लोग महसूस करते हैं कि यह समय रहते दी गई चेतावनी है तो कुछ का कहना है कि इससे रूस को निराधार आरोप लगाने का प्रोत्साहन मिलेगा और यह अमेरिका को रूस के साथ सीधे टकराव में ले आएगा।

अमेरिकन पावर प्ले और निर्णय लेने वाले समूह से संबंधित दो लोगों की यह आवाज़ असल में अमेरिका के उच्च वर्ग के एक धुर दक्षिणपंथी तथा अलगाववादी गुट की आवाज़ है। दक्षिणपंथी लोगों की सोच पर इनकी आवाज़ का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है।

इस आलेख में कहा गया है कि अमेरिका यूक्रेन की सेना को रूस के सैन्य अड्डों व हथियारों की सूचना दे रहा है, यही नहीं यूक्रेन की सेना को ट्रेनिग व अत्याधुनिक हथियार दे रहा है।

अब अमेरिका यूक्रेन को रूस पर अदंर तक हमले के लिए अमेरिका में बनी लम्बी दूरी की मिसाइलों का इस्तेमाल करने की अनुमति दे रहा है और यह चरम स्थिति हो सकती है। यूक्रेन से अगर रूस पर भारी भीतरी हमला होता है तो रूस कठोर प्रतिक्रिया दे सकता है।

बुधवार को ही यूक्रेन ने रूस में काफी अंदर बने हथियार डिपो पर हमला

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इस लेख में दोनों ने लिखा है कि बार-बार यूक्रेन-रूस युद्ध में यूक्रेन का साथ देकर, अमेरिका और रूस में आमने-सामने बंदूक तानने की नौबत आ गई है तथा न्यूक्लियर युद्ध भड़कने की प्रबल आशंका बन गई है, जो अन्ततोगत्वा अमेरिका के हित में नहीं है।
- लेख में यह चेतावनी भी दी है कि अब जो दबाव बन रहा है कि अमेरिका पर, कि वह यूक्रेन को अपनी ''दूर मारक मिसाइल'' को रूस के अंदरूनी क्षेत्रों में हमला करने की इजाज़त दे दे वह बहुत अनुचित है तथा रूस को खुलकर अमेरिका पर न्यूक्लियर हमला करने का अंतिम बहाना न दे दे।

अग्निवीरों को सरकारी नौकरी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। पाँच अक्टूबर को होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिये अपने 20-सूत्रीय चुनाव घोषणा पत्र में, भारतीय जनता पार्टी ने हर सेवानिवृत्त अग्निवीर के लिये सरकारी नौकरी का वादा किया है। घोषणा पत्र में बेरोजगार युवाओं से उन दो लाख खाली पदों को भरने का वादा भी किया है, जो पिछले पाँच वर्ष में उन्हें नहीं दिये गये।

- भाजपा ने हरियाणा मैनिफैस्टो में घोषणा की।